Resource: अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

unfoldingWord® Translation Questions © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Questions has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Questions © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

LAM

विलापगीत 1:1, विलापगीत 1:3, विलापगीत 1:5, विलापगीत 1:6, विलापगीत 1:7, विलापगीत 1:8, विलापगीत 1:10, विलापगीत 1:11, विलापगीत 1:13, विलापगीत 1:14, विलापगीत 1:15, विलापगीत 1:16, विलापगीत 1:18, विलापगीत 1:19, विलापगीत 1:20, विलापगीत 1:21, विलापगीत 1:22, विलापगीत 2:1–2, विलापगीत 2:3–4, विलापगीत 2:5–6, विलापगीत 2:7, विलापगीत 2:9, विलापगीत 2:10, विलापगीत 2:11–12, विलापगीत 2:15–16, विलापगीत 2:18–19, विलापगीत 2:20, विलापगीत 2:21–22, विलापगीत 3:3, विलापगीत 3:7, विलापगीत 3:10, विलापगीत 3:14, विलापगीत 3:17, विलापगीत 3:19–20, विलापगीत 3:23, विलापगीत 3:25–26, विलापगीत 3:26–28, विलापगीत 3:32, विलापगीत 3:33, विलापगीत 3:38, विलापगीत 3:40–41, विलापगीत 3:42, विलापगीत 3:45, विलापगीत 3:48–49, विलापगीत 3:52–54, विलापगीत 3:55–57, विलापगीत 3:59, विलापगीत 3:63, विलापगीत 3:64, विलापगीत 3:66, विलापगीत 4:1, विलापगीत 4:2, विलापगीत 4:3, विलापगीत 4:4, विलापगीत 4:5, विलापगीत 4:6, विलापगीत 4:7–8, विलापगीत 4:9, विलापगीत 4:10, विलापगीत 4:11, विलापगीत 4:12, विलापगीत 4:13, विलापगीत 4:14, विलापगीत 4:15, विलापगीत 4:15 (#2), विलापगीत 4:16, विलापगीत 4:16 (#2), विलापगीत 4:17, विलापगीत 4:18, विलापगीत 4:18 (#2), विलापगीत 4:19, विलापगीत 4:20, विलापगीत 4:21, विलापगीत 4:22, विलापगीत 4:22 (#2), विलापगीत 5:1, विलापगीत 5:2, विलापगीत 5:5–6, विलापगीत 5:7, विलापगीत 5:8, विलापगीत 5:9, विलापगीत 5:10, विलापगीत 5:11, विलापगीत 5:12, विलापगीत 5:13, विलापगीत 5:14, विलापगीत 5:15–16, विलापगीत 5:17, विलापगीत 5:19, विलापगीत 5:20–21

विलापगीत 1:1

यरूशलेम नगरी जो लोगों से भरपूर थी वह अब कैसी हो गयी है?

वह नगरी अब एक विधवा के समान बन गई।

विलापगीत 1:3

यद्यपि यहूदा अन्यजातियों में रहते हुए, क्या नहीं पा सकती?

अन्यजातियों में रहती हुई वह चैन नहीं पाती।

विलापगीत 1:5

यहोवा ने यरूशलेम के नगर को क्यों दुःख दिया है?

यहोवा ने यरूशलेम को उसके बहुत से अपराधों के कारण दुःख दिया है।

विलापगीत 1:6

सिय्योन की पुत्री का क्या जाता रहा?

सिय्योन की पुत्री का सारा प्रताप जाता रहा।

विलापगीत 1:7

यरूशलेम ने उन प्राचीनकाल की कौन-सी बातें स्मरण की, जो उसके पास पहले थीं?

सब मनभावनी वस्तुओं को जो प्राचीनकाल से उसकी थीं, स्मरण किया है।

विलापगीत 1:8

यरूशलेम ने बड़ा पाप किया, इसलिए वह कैसी हो गई है?

यरूशलेम ने बड़ा पाप किया, इसलिए वह अशुद्ध स्त्री सी हो गई है।

विलापगीत 1:10

यरूशलेम ने अपने पवित्रस्थान में क्या देखा है, जिनके विषय में परमेश्वर ने आज्ञा दी थी?

यरूशलेम ने उनको उसके पवित्रस्थान में घुसा हुआ देखा था।

विलापगीत 1:11

उसके सब निवासी कैसे भोजनवस्तु ढूँढ़ रहे हैं?

उसके सब निवासी कराहते हुए भोजनवस्तु ढूँढ़ रहे हैं।

विलापगीत 1:13

यहोवा ने यरूशलेम के पैरों के लिये क्या लगाया ताकि वह उलटा फिर जाए?

यहोवा ने यरूशलेम के पैरों के लिये जाल लगाया।

विलापगीत 1:14

उसने जूए की रस्सियों की समान यरूशलेम के अपराधों को उसके हाथ से कसा है; उसने उन्हें बटकर उसकी गर्दन पर चढ़ाया, जिससे उसका क्या घटा दिया?

यरूशलेम का बल उसके गर्दन पर चढ़ाए गए उसके अपराधों के जुए के कारण घटा दिया।

विलापगीत 1:15

यहूदा की कुमारी कन्या को यहोवा ने कहाँ पेरा है?

यहूदा की कुमारी कन्या को यहोवा ने मानो कुण्ड में पेरा है।

विलापगीत 1:16

यरूशलेम के बच्चे क्यों अकेले हो गए हैं?

यरूशलेम बच्चे अकेले हो गए, क्योंकि शत्रु प्रबल हुआ है।

विलापगीत 1:18

यरूशलेम ने यहोवा की आज्ञा का उल्लंघन किया है, इसलिए कौन बँधुआई में चले गए?

यरूशलेम के कुमार और कुमारियाँ बँधुआई में चले गए हैं।

विलापगीत1:19

जब वे इसलिए भोजनवस्तु ढूँढ़ रहे थे कि खाने से उनका जी हरा हो जाए, तब नगर ही में किसके प्राण छूट गए?

यरूशलेम के याजक और पुरनियों के नगर ही में प्राण छूट गए।

विलापगीत 1:20

यरूशलेम के भीतर क्या उलट गया है, क्योंकि उसने बहुत बलवा किया है?

यरूशलेम का हृदय उलट गया है।

विलापगीत 1:21

यरूशलेम के शत्रु उसकी विपत्ति का समाचार सुनकर क्या करते हैं?

यरूशलेम के शत्रु हर्षित होते हैं।

विलापगीत 1:22

जब यरूशलेम के शत्रु यहोवा के सामने आते हैं, तो यरूशलेम यहोवा से उनको क्या करने की विनती करती है?

यरूशलेम यहोवा से प्रार्थना करती है कि वह उसके शत्रुओं को उसी प्रकार दण्ड दें जैसे यहोवा ने उसके सभी अपराधों के लिए उसे दण्ड दिया है।

विलापगीत 2:1–2

यिर्मयाह के विद्रोह के कारण यहोवा ने अपना कोप कैसे प्रकट करते हैं?

उन्होंने इस्राएल की शोभा को आकाश से धरती पर पटक दिया, याकूब की सब बस्तियों को निष्ठुरता से नष्ट किया है, और यहूदा की पुत्री के दृढ़ गढ़ों को ढाकर मिट्टी में मिला दिया है।

विलापगीत 2:3–4

उनका क्रोध इस्राएल और सिय्योन को कैसे प्रभावित करता है?

यहोवा ने क्रोध में आकर इस्राएल के सींग को जड़ से काट डाला है और सिय्योन की पुत्री के तम्बू पर उसने आग के समान अपनी जलजलाहट भड़का दी है।

विलापगीत 2:5–6

प्रभु का कोप कैसे प्रकट होता है?

प्रभु शत्रु बन गए हैं, उसने इस्राएल को निगल लिया; उसके सारे भवनों को उसने मिटा दिया, और राजा तथा याजक दोनों का तिरस्कार किया है।

विलापगीत 2:7

शत्रु ऐसा क्यों महसूस करते है, की नियत पर्व का दिन हो?

वे नियत पर्व का दिन महसूस करते हैं क्योंकि यहोवा ने अपनी वेदी मन से उतार दी और उसके भवनों की दीवारों को उसने शत्रुओं के वश में कर दिया।

विलापगीत 2:9

सिय्योन के फाटक और बेंड़ों का क्या हुआ?

उसके फाटक भूमि में धस गए हैं, उनके बेंड़ों को उसने तोड़कर नाश किया।

विलापगीत 2:10

पुरनिये और कुँवारियाँ कैसे दिखाते हैं कि वे शोक मना रहे हैं?

पुरनिये भूमि पर चुपचाप बैठते हैं, अपने सिर पर धूल उड़ाते और टाट का फेंटा बाँधते हैं। कुँवारियाँ अपने सिर को जमीन की ओर झुकाती हैं।

विलापगीत 2:11–12

यिर्मयाह क्यों आँसू बहाते हैं?

क्योंकि उनके लोगों के पास खाने या पीने के लिए कुछ भी नहीं है।

विलापगीत 2:15–16

जब बटोही नगर से गुजरते हैं, तो वे क्या करते हैं?

सब बटोही ताली बजाते हैं, यह कहकर ताली बजाते और सिर हिलाते हैं, वे ताली बजाते और दाँत पीसते हैं।

विलापगीत 2:18–19

लोग अपने पश्चाताप को कैसे दिखाते हैं?

वे प्रभु की ओर तन मन से पुकारते हैं और अपने बच्चों के प्राण के निमित्त अपने हाथ फैलाते हैं।

विलापगीत 2:20

लोग यहोवा की करुणा के लिए प्रार्थना क्यों कर रहे हैं?

क्योंकि उन्होंने उनके साथ बहुत कठोरता से व्यवहार किया है, वे भूखे हैं, और अपने याजकों के मारे जाने के कारण चिन्तित हैं।

विलापगीत 2:21–22

यिर्मयाह यहोवा के कोप के दिन का वर्णन कैसे करते हैं?

यहोवा के कोप के दिन, यहोवा ने जवान और बूढ़े, दोनों को मार डाला; कोई नहीं बचा, और उन्होंने किसी पर दया नहीं दिखाई।

विलापगीत 3:3

लेखक क्या कहते हैं कि यहोवा ने पूरे दिन उसके विरुद्ध क्या उठता रहता है?

यहोवा का हाथ दिन भर उसके ही विरुद्ध उठता रहता है।

विलापगीत 3:7

लेखक क्या कहते हैं कि यहोवा ने उनके चारों ओर क्या बाँधा है जिससे वह निकल नहीं सकता?

यहोवा ने उसके चारों ओर बाड़ा बाँधा है।

विलापगीत 3:10

लेखक यहोवा की तुलना किस पशु से करता है और कहता है कि वह उसे घात लगाने के लिए बैठा है?

लेखक यहोवा को एक रीछ के रूप में वर्णित करते हैं जो उन पर घात लगाने के लिए बैठा है।

विलापगीत 3:14

लेखक सब लोगों के लिए क्या बन गया है?

लेखक सब लोगों के लिए हँसी का पात्र बन गया है।

विलापगीत 3:17

जब से लेखक कुशल से रहित हो गया है तब से क्या भूल गया है?

लेखक अब कल्याण भूल गया है।

विलापगीत 3:19-20

जब लेखक अपने दुःख को स्मरण करता है, तो उसका मनोभाव कैसा होता है?

जब लेखक अपने दुःख को स्मरण करता है, तो उससे उसका प्राण ढला जाता है।

विलापगीत 3:23

लेखक के अनुसार, प्रति भोर क्या नई होती है?

लेखक कहते हैं कि यहोवा की दया प्रति भोर वह नई होती रहती है।

विलापगीत 3:25-26

जो यहोवा की बाट जोहते है और जो यहोवा के उद्धार की आशा में चुपचाप बाट जोहते हैं, उनके प्रति यहोवा कैसा है?

यहोवा उनके लिए भले हैं जो उनकी बाट जोहते हैं, और जो यहोवा के उद्धार की आशा में चुपचाप बाट जोहते हैं।

विलापगीत 3:26-28

किस प्रकार किसी मनुष्य को चुप रहना चाहिए क्योंकि परमेश्वर ही ने उस पर यह बोझ डाला है?

किसी मनुष्य यह जानकर अकेला चुपचाप रहना चाहिए, कि परमेश्वर ही ने उस पर यह बोझ डाला है।

विलापगीत 3:32

चाहे यहोवा दुःख भी देते हैं, फिर भी वह क्या करते हैं?

चाहे यहोवा दुःख भी देते हैं, फिर भी वह दया भी करते हैं।

विलापगीत 3:33

यहोवा मनुष्यों के पुत्रों को कहाँ से न तो दबाते हैं और न ही दुःख देते हैं?

यहोवा मनुष्यों को अपने मन से न तो दबाते हैं और न दुःख देते हैं।

विलापगीत 3:38

परमप्रधान की आज्ञा से कौन-कौन सी दो बातें होती हैं?

विपत्ति और कल्याण परमप्रधान की आज्ञा से ही आती हैं।

विलापगीत 3:40-41

जब लोग अपने चाल चलन को ध्यान से परखते हैं और यहोवा की ओर फिरते हैं, तो उन्हें स्वर्ग में परमेश्वर की ओर क्या फैलाना चाहिए?

लोगों को स्वर्ग में परमेश्वर की ओर अपने मन लगाना चाहिए और हाथों को फैलाना चाहिए।

विलापगीत 3:42

जब लोग प्रार्थना करते हैं, तो उन्हें यहोवा के विरुद्ध किए हुए किस बात को स्वीकार करना चाहिए?

उन्हें स्वीकार करना चाहिए कि उन्होंने अपराध किया है और यहोवा के बलवा किया है।

विलापगीत 3:45

लेखक क्या कहता है कि यहोवा ने उन्हें लोगों के बीच क्या बनाया है?

यहोवा ने उन्हें लोगों के बीच कूड़ा-करकट सा ठहराया है।

विलापगीत 3:48-49

लेखक अपनी आँखों से बहने वाले आँसुओं का वर्णन कैसे करता है?

उनके आँसू जल की धाराएँ हैं जो उनकी आँखों से बहते हैं।

विलापगीत 3:52–54

जब उसके शत्रु उसका पीछा करते हैं, गड्ढे में उसका जीवन का अन्त करने के लिये मेरे ऊपर पत्थर लुढ़का देते हैं, तब लेखक क्या कहता है?

वह कहता है, "मैं अब नाश हो गया!"

विलापगीत 3:55–57

जब लेखक ने यहोवा की दुहाई दी और उसकी सहायता की दुहाई सुनने की प्रार्थना की, तब यहोवा ने उससे क्या कहा?

यहोवा ने उससे कहा, "मत डर!"

विलापगीत 3:59

लेखक ने यहोवा से अपने अन्याय का न्याय करने के लिए कैसे प्रार्थना करता है?

वह यहोवा से उनके अन्याय का न्यायपूर्वक निर्णय करने के लिए न्याय चुकाने की प्रार्थना करता है।

विलापगीत 3:63

लेखक अपने शत्रुओं के लिए किस विषय का कारण बनता है, चाहे वह बैठा हो या उठ रहा हो?

वह उनके उपहास के गीत का विषय है।

विलापगीत 3:64

लेखक यहोवा से अपने शत्रुओं के लिए क्या करने की प्रार्थना करता है?

वह यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह उन्हें उनके कामों के अनुसार उनको बदला दें।

विलापगीत 3:66

लेखक यहोवा से अपने शत्रुओं के साथ क्या करने के लिए प्रार्थना करता है?

वह यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह उनके शत्रुओं को अपने कोप से खदेड़-खदेड़कर धरती पर से नाश कर दें।

विलापगीत 4:1

सोने और पवित्रस्थान के पत्थर का क्या हुआ?

सोना खोटा हो गया है, अत्यन्त खरा सोना बदल गया है और पवित्रस्थान के पत्थर तो हर एक सड़क के सिरे पर फेंक दिए गए हैं।

विलापगीत 4:2

सिय्योन के पुत्र पहले क्या थे, और अब कैसे हो गए हैं?

सिय्योन के पुत्र कुन्दन थे, शुद्ध सोने से भी अधिक मूल्यवान, परन्तु अब वे कुम्हार के बनाए हुए मिट्टी के घड़ों के समान कैसे तुच्छ गिने गए हैं।

विलापगीत 4:3

उनकी प्रजा की बेटियाँ कैसे व्यवहार करती हैं?

वे वन के शुतुर्मुर्गों के तुल्य निर्दयी हो गई है।

विलापगीत 4:4

दूध पीते बच्चे की जीभ का क्या हो गया है और बाल-बच्चे क्या मांग रहे हैं?

दूध-पीते बच्चों की जीभ प्यास के मारे तालू में चिपट गई है; बाल-बच्चे रोटी माँगते हैं, परन्तु कोई उनको नहीं देता।

विलापगीत 4:5

जो लोग पहले स्वादिष्ट भोजन खाते थे और जो मखमल वस्त्र पहनते थे, उनका क्या हाल हो गया है?

जो स्वादिष्ट भोजन खाते थे, वे अब सड़कों में व्याकुल फिरते हैं; जो मखमल के वस्त्रों में पले थे अब घूरों पर लेटते हैं।

विलापगीत 4:6

उसकी प्रजा की बेटी का अधर्म कितना बड़ा है?

उसकी बेटी का अधर्म सदोम के पाप से भी बड़ा है।

विलापगीत 4:7–8

पहले उनके कुलीन कैसे थे, और अब वे कैसे हैं?

उसके कुलीन हिम से निर्मल और दूध से भी अधिक उज्जवल थे; उनकी देह मूँगों से अधिक लाल, और उनकी सुन्दरता नीलमणि की सी थी। अब उनका रूप अंधकार से भी अधिक काला है, वे सड़कों में पहचाने नहीं जाते; उनका चमड़ा हड्डियों में सट गया, और लकड़ी के समान सूख गया।

विलापगीत 4:9

यिर्मयाह भूख से मारे गए लोगों की तुलना तलवार से मारे गए लोगों से कैसे करते हैं?

यिर्मयाह कहते हैं कि जो तलवार के मारे हुए भूख के मारे हुओं से अधिक अच्छे हैं।

विलापगीत 4:10

दयालु स्त्रियों ने अपने बच्चों के साथ क्या किया?

उन्होंने अपने बच्चों को पकाया और बच्चे उनका आहार बन गए।

विलापगीत 4:11

यहोवा ने अपनी जलजलाहट को कैसे प्रगट किया?

यहोवा ने अपनी पूरी जलजलाहट प्रगट की, सिय्योन में ऐसी आग लगाई जिससे उसकी नींव तक भस्म हो गई है।

विलापगीत 4:12

पृथ्वी का कोई राजा या जगत का कोई निवासी क्या विश्वास नहीं कर सके कि यरूशलेम के साथ ऐसा कुछ हो सकता है।

वे विश्वास नहीं कर सकेकि द्रोही और शत्रु यरूशलेम के फाटकों के भीतर घुसने पाएँगे।

विलापगीत 4:13

भविष्यद्वक्ताओं के पापों और याजकों के अधर्म के कामों के कारण शत्रु ने क्या किया?

शत्रु यरूशलेम के द्वारों में प्रवेश कर चुके हैं।

विलापगीत 4:14

उन भविष्यद्वक्ताओं और याजकों का क्या हुआ?

वे अब सड़कों में अंधे सरीखे मारे-मारे फिरते थे और मानो लहू की छींटों से यहाँ तक अशुद्ध थे कि कोई उनके वस्त्र नहीं छू सकता।

विलापगीत 4:15

भविष्यद्वक्ताओं और याजकों ने क्या पुकारा?

भविष्यद्वक्ताओं और याजकों ने पुकारकर कहा कि हट जाओ! हट जाओ! हमको मत छूओ।

विलापगीत 4:15 (#2)

भविष्यद्वक्ताओं और याजक कहाँ चले गए?

वे भागकर मारे-मारे फिरने लगे, तब अन्यजाति लोगों ने कहा, "भविष्य में वे यहाँ टिकने नहीं पाएँगे।

विलापगीत 4:16

यहोवा ने भविष्यद्वक्ताओं और याजकों के साथ क्या किया?

यहोवा ने भविष्यद्वक्ताओं और याजकों को तितर-बितर कर दिया है और वह फिर उन पर दयादृष्टि न करेगा।

विलापगीत 4:16 (#2)

याजकों का सम्मान कैसे किया गया और पुरनियों पर अनुग्रह कैसे किया गया?

न तो याजकों का सम्मान हुआ, और न पुरनियों पर कुछ अनुग्रह किया गया।

विलापगीत 4:17

कौन व्यर्थ सहायता की बाट जोहते-जोहते धुँधली पड़ गई हैं?

उनकी आँखें व्यर्थ ही सहायता की बाट जोहते-जोहते धुँधली पड़ गई हैं।

विलापगीत 4:18

शत्रु ने उनके साथ क्या किया?

लोग उनके पीछे ऐसे पड़े कि वे अपने नगर के चौकों में भी नहीं चल सके।

विलापगीत 4:18 (#2)

लोगों ने अपने अन्त के विषय में क्या कहा?

उन्होंने कहा कि उनका अन्त निकट आया; उनकी आयु पूरी हुई; क्योंकि उनका अन्त आ गया।

विलापगीत 4:19

लोगों ने खदेड़नेवालों का वर्णन कैसे किया, और पीछा करने वालों ने उनके साथ क्या किया?

खदेड़नेवाले आकाश के उकाबों से भी अधिक वेग से चलते थे और वे पहाड़ों पर उनके पीछे पड़ गए और जंगल में उनके लिए घात लगाकर बैठे रहे।

विलापगीत 4:20

उनके राजा के साथ क्या हुआ?

उनका राजा उनके खोदे हुए गड्ढों में पकड़ा गया।

विलापगीत 4:21

एदोम की पुत्री से क्यों कहा गया है कि वह हर्षित और आनन्दित हो?

उसे हर्षित और आनन्दित होने के लिए कहा गया है क्योंकि कटोरा उस तक भी पहुँचेगा, और वह मतवाली होकर अपने आपको नंगा करेगी।

विलापगीत 4:22

सिय्योन की पुत्री से क्या कहा गया है?

उसे बताया गया है कि उसके अधर्म का दण्ड समाप्त हो गया है और यहोवा अब उसे बंधुआई में न ले जाएगा।

विलापगीत 4:22 (#2)

एदोम की पुत्री से क्या कहा गया?

एदोम की बेटी से कहा गया है कि यहोवा उसके अधर्म का दण्ड वह उसे देंगे, वह उसके पापों को प्रगट कर देंगे।

विलापगीत 5:1

यिर्मयाह यहोवा से क्या करने के लिए प्रार्थना करते हैं?

यिर्मयाह यहोवा से प्रार्थना करते हैं कि वह स्मरण करें कि उनके साथ क्या हुआ है और उनकी नामधराई को देखें।

विलापगीत 5:2

यिर्मयाह यहोवा को क्या बताते हैं कि उनके भाग के साथ क्या हुआ है?

यिर्मयाह यहोवा से कहते हैं कि उनका भाग परदेशियों का हो गया और उनका घर परायों के हो गए हैं।

विलापगीत 5:5–6

यिर्मयाह उनके के साथ जो हो रहा है, उसका वर्णन कैसे करते हैं?

खदेड़नेवाले उनकी गर्दन पर टूट पड़े हैं; वे थक गए हैं, और वे पेट भरने के लिए मिस्रियों और अश्शुरियों के अधीन हो गए हैं।

विलापगीत 5:7

लोग पाप के विषय में क्या कह रहे हैं?

वे कह रहे हैं कि उनके पुरखाओं ने पाप किया परन्तु उनके अधर्म के कामों का भार वे उठा रहे हैं।

विलापगीत 5:8

लोग दासों के बारे में क्या कह रहे हैं?

लोग कह रहे हैं कि दास उनके ऊपर अधिकार रखते हैं; उनके हाथ से कोई उन्हें नहीं छुड़ाता।

विलापगीत 5:9

जब वे भोजनवस्तु लेने जाते हैं, तो वे अपने प्राण का क्या करते हैं?

जंगल में की तलवार के कारण वे अपने प्राण जोखिम में डालकर भोजनवस्तु ले आते हैं।

विलापगीत 5:10

वे अपने चमड़े का वर्णन किस प्रकार करते हैं?

भूख की झुलसाने वाली आग के कारण, उनका चमड़ा तंदूर के समान काला हो गया है।

विलापगीत 5:11

स्त्रियों और कुंवारियों के साथ क्या हुआ था?

सिय्योन में स्त्रियाँ, और यहूदा के नगरों में कुमारियाँ भ्रष्ट की गईं हैं।

विलापगीत 5:12

हाकिम और पुरनियों के साथ क्या घटित हुआ?

हाकिम हाथ के बल टाँगें गए हैं; और पुरनियों का कुछ भी आदर नहीं किया गया।

विलापगीत 5:13

जवानों और बाल-बच्चों के साथ क्या हुआ?

जवानों को चक्की चलानी पड़ती है; और बाल-बच्चे लकड़ी का बोझ उठाते हुए लड़खड़ाते हैं।

विलापगीत 5:14

पुरनियों और जवानों के साथ क्या हुआ?

अब फाटक पर पुरनिये नहीं बैठते, न जवानों का गीत सुनाई पड़ता है।

विलापगीत 5:15–16

वे अपने मन के हर्ष, अपने नाचने और अपने मुकुट का वर्णन कैसे करते हैं?

उनका हर्ष जता रहा, उनका नाचना विलाप में बदल गया है, और उनके सिर पर का मुकुट गिर पड़ा है।

विलापगीत 5:17

वे अपने हृदय और आँखों के बारे में क्या कहते हैं?

उनका हृदय निर्बल हो गया है और उनकी आँखें धुंधली पड़ गई हैं।

विलापगीत 5:19

वे यहोवा के शासन और सिंहासन के विषय में क्या कहते हैं?

यहोवा सदा तक विराजमान रहेंगे और उनका राज्य पीढ़ी-पीढ़ी बना रहेगा।

विलापगीत 5:20–21

वे यहोवा से क्या प्रश्न करते हैं?

वे यहोवा से पूछते हैं कि क्या वह उन्हें सदा के लिए भूल गए हैं, और क्या वह उन्हें अपनी फेर लाएंगे।